सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-32
17/01/2018

समाज सुधार से ही होगा असली विकास :– मुख्यमंत्री

पटना, 17 जनवरी 2018 :– विकास कार्यों की समीक्षा यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज भागलपुर जिले के सुल्तानगंज प्रखंड के उधाडीह गांव का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान सात निश्चय के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति को देखा। मुख्यमंत्री ने पक्की गली–नाली, हर घर शौचालय, बिजली का कनेक्शन, हर घर नल का जल के बारे में गांव वालों से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने शहीद निलेश कुमार नयन के घर जाकर उनके चित्र पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये और उनकी माता श्रीमती बुलबुल देवी एवं पिता श्री तरुण कुमार सिंह एवं अन्य परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने शहीद के परिजनों को राज्य सरकार की तरफ से सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। ज्ञातव्य है कि निलेश कुमार नयन भारतीय वायुसेना के गरुड़ कमांडो दल में तैनात थे। 11 अक्टूबर 2017 को जम्मू–कश्मीर सेक्टर के बांदीपुरा क्षेत्र में आतंकवादियों से मुठभेड़ में नयन शहीद हो गए थे।

मुख्यमंत्री ने गांव भ्रमण के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में 223 करोड़ रुपए की 660 योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में आने में विलंब हुई, इसके बावजूद इतनी ठंड में आप सब इतनी संख्या में उपस्थित हुये हैं, इसके लिए मैं आप सभी को तहे दिल से धन्यवाद देता हूँ। विकास कार्यों की समीक्षा यात्रा के क्रम में जिले के किसी एक गांव में जाने का निर्णय लिया था और उसी क्रम में आज यहां आने का मौका मिला है। विकास यात्रा के सिलसिले में 17 फरवरी 2009 को इसी गांव में हम रात में ठहरे थे। सारे अधिकारीगण, मंत्रीगण भी साथ थे। रात्रि में संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ था और अगले दिन जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में ढेर सारी बातें हुई थीं। इसी गांव के निलेश कुमार नयन जो वायु सेना में गरुड़ कमांडर थे बांदीपुरा में शहीद हो गए, मैं उनको नमन करता हूँ। मैं उनके घर गया, उनके परिजनों से भी मिला। यहां शहीद के नाम पर द्वार बनाए जा रहे हैं। राज्य सरकार की तरफ से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। हम इसे अपना कर्तव्य मानते हैं, शहादत बहुत बड़ी चीज है। नीलेश जी हमेशा याद किए जाएंगे। आज जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा 223 करोड़ रुपए की 660 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास कराया गया है, मैं इसके लिए बधाई देता हूँ और उम्मीद करता हूं कि जिन योजनाओं का शिलान्यास कराया गया है, वह समय पर पूर्ण हो जाय। उधाडीह मध्य विद्यालय को उच्च विद्यालय में उत्क्रमित करना, स्टेडियम निर्माण की मांग एवं अन्य सारी बातों पर 2009 में चर्चा हुई थी। इन सब पर अमल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय पर काम किया जा रहा है। 4 निश्चय जिनमें हर घर तक पक्की गली–नाली, हर घर तक नल का जल, हर घर शौचालय, के काम 4 साल के अंदर हो जाने हैं। इस साल के अंत तक हर इच्छुक व्यक्ति को बिजली का कनेक्शन मिल जाएगा। तीन निश्चय के अंतर्गत महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम किए जा रहे हैं। पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकाय में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पोशाक एवं साइकिल

योजना चलाई गई। आठ लाख स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया है और इसे दस लाख करने का लक्ष्य है। इससे एक से डेढ़ करोड़ महिलाओं का परिवार इस समूह से जुड़ जाएगा। जीविका के गठन से महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता आई है। पहले पुरुषों की शक्ति का ही उपयोग होता था। अब महिलाओं की शक्ति का भी उपयोग होने लगा है। सात निश्चय के तहत ही महिलाओं को राज्य की सभी सरकारी सेवाओं में 35 प्रतिशत का आरक्षण लागू कर दिया गया है। स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड के तहत युवाओं को चार लाख रूपये तक का ऋण मिलेगा, जिससे वे आगे पढ़ सकेंगे। बैंकों के शिथिल रवैये के कारण युवाओं को परेशानी हो रही है। राज्य सरकार अगले वित्तीय वर्ष से अपना वित्त निगम बनाएगी, जिसके बाद युवाओं को कोई परेशानी नहीं होगी। स्वयं सहायता भत्ता के तहत एक हजार रूपये प्रतिमाह की दर से 2 साल तक दी जा रही है। कुशल युवा कार्यक्रम के तहत हर प्रखण्ड में कौशल विकास केंद्र पर युवाओं को कम्प्यूटर, व्यवहार कौशल, भाषा आदि का कोर्स कराया जा रहा है। हर एक जिले में इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, जी0एन0एम0, पारामेडिकल, महिला आई0टी0आई0 की स्थापना की जाएगी। हर एक अनुमंडल में आई0टी0आई0 एवं ए0एन0एम0 की स्थापना की जाएगी ताकि हमारे विद्यार्थियों को पढ़ने में कोई कठिनाई नहीं हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी मजबूती से सात निश्चय को लागू करेंगे और इसे अमल में लाएंगे। हर घर नल का जल, पक्की गली–नाली का निर्माण, पंचायत एवं वार्डवार विकेंद्रीकृत तरीके से किया जा रहा है। मुखिया जी को पहले भ्रमित किया गया था लेकिन इन निश्चय को लागू करने से उनका ही फायदा होगा। गांव हो या शहर अगर बुनियादी जरूरतें पूरी हो जाएंगी तो इससे अच्छी बात क्या होगी। हर क्षेत्र में विकास हो रहा है, सड़क, सिंचाई, कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा पर काम हो रहा है, पुल–पुलियों का निर्माण हो रहा है। सबौर में नया कृषि विश्वविद्यालय बनाया गया है। तीसरे कृषि रोड मैप से खेत में काम करने वालों की आमदनी बढ़ेगी। बिहार का एक व्यंजन हर भारतीय की थाल में पहुँचाने का हमारा लक्ष्य है। न्याय के साथ विकास में हम लगे हुए हैं। हम सरजमीं पर जाकर विकास कार्यों को देखते हैं। समाज सुधार के काम में भी लगे हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप महिलाओं की मांग पर ही 1 अप्रैल 2016 से शराबबंदी लागू कर दी गई। शराबबंदी के निर्णय से कितना असर पड़ा है, गाढ़ी कमाई का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद होने से बच गया और उसका उपयोग बेहतर भरण–पोषण में हो रहा है। समाज में झगड़े का वातावरण नहीं है। अब प्रेम एवं शांति का वातावरण घर में होता है, फिर भी दो नंबरी लोग इस गलत धंधे में लिप्त हैं, उनसे सचेत रहना है। उसके लिए तंत्र में कड़ी व्यवस्था की जा रही है। पुलिस महानिरीक्षक, मद्य निषेध पद का गठन किया गया है। एक अधिकारी को इसके लिए नियुक्त किया गया है, जिसका एक पूरा तंत्र होगा। हर एक गांव में बिजली के ट्रांसफार्मर वाले खंभे पर एक नंबर अंकित होगा, जिस पर अपने मोबाइल से आप सूचित करेंगे, त्वरित एवं सख्त कार्रवाई होगी और आपका नाम भी गोपनीय रहेगा। निडर होकर फोन कीजिए, गड़बड़ करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। सबसे बड़ी बात जन जागृति की है। आपलोगों को सतर्क रहना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके साथ ही दो कुरीतियों बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ अभियान चलाया गया है। लोक संवाद के कार्यक्रम में एक महिला ने मुझसे कहा था कि शराबबंदी का असर बहुत बढ़िया है, अब दहेज प्रथा को भी बंद कीजिए। मुझे यह ठीक लगा और दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के खिलाफ सशक्त अभियान चलाने का निर्णय लिया। कम उम्र में लड़कियों की शादी कर दी जाती है। बाल विवाह एवं दहेज प्रथा एक दूसरे से जुड़ी हुई है इसीलिए एक साथ अभियान चलाने का निर्णय किया गया। इन कुरीतियों के खिलाफ पहले से कानून बना हुआ है। 18 वर्ष से कम

उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के की शादी गैरकानूनी है। लोग फिर भी इस काम को करते हैं। बाल विवाह का भयानक परिणाम होता है। इसे समाप्त करने के लिए सामाजिक अभियान निरंतर चलते रहना चाहिए। आप एक संकल्प लीजिए कि आपका कितना नजदीकी भी कोई क्यों न हो अगर उसने दहेज लिया है तो उसकी शादी में शामिल न हों। अगर आप शादी में नहीं जाएंगे तो वह भयभीत होगा, उसका भेद खुल जाएगा। आप मन बना लीजिए किसी भी सूरत–ए–हाल में दहेज वाली शादी में शामिल नहीं होंगे। आपस में बात करते रहिए और इस संकल्प के लिए पक्का मन बना लीजिए। विकास के काम किए जा रहे हैं, न्याय के साथ विकास हो रहा है। हर क्षेत्र में विकास हो रहा है लेकिन जब समाज सुधार हो जाएगा तो असली विकास होगा। आप सबसे प्रार्थना है इस अभियान में शामिल होइये। पिछले साल 21 जनवरी को शराबबंदी एवं नशामुक्ति के खिलाफ मानव श्रृंखला बनी थी। इस वर्ष 21 जनवरी 2018 रविवार के दिन बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ मानव श्रृंखला बनेगी, आप सबसे निवेदन है कि उसमें शामिल होकर इस कुरीति के खिलाफ स्पष्ट संदेश दीजिए। यह संदेश जाएगा और अद्‌भुत होगा, इसका असर भी जबरदस्त होगा। आप सब जरूर इस बनने वाली मानव श्रृंखला में शामिल होकर अपना संकल्प व्यक्त कीजिए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री का स्वागत पुष्प–गुच्छ भेंटकर किया गया। मुख्यमंत्री ने आर्थिक हल युवाओं को बल योजना के तहत लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री सह जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, सांसद मोहतरमा कहकशां परवीन, विधायक श्री सुबोध राय, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह ने भी सभा को संबोधित किया।

इस अवसर पर विधायक श्री अजय मंडल, विधायक श्री नरेंद्र कुमार नीरज, विधायक श्री मनीष कुमार, विधान पार्षद श्री संजीव कुमार सिंह, विधान पार्षद श्री मनोज यादव, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, भागलपुर जिले के जिलाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक सहित अन्य वरीय अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति तथा बड़ी संख्या में आमलोग उपस्थित थे।

******